03-06-2023

DT दीनार टाइम्स | कानपुर न्यूज | www.dinartimes.in | 19
कानपुर, शनिवार, 3 जून 2023

समर कैंप में बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट में बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन

डीटीएनएन

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में आज ह्पर्यावरण सप्ताहङ के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तीन श्रेणियों में आयोजित किया गया, जिनमें से प्रत्येक की थीम अलग-अलग लेकिन पर्यावरण से संबंधित थी।

कक्षा पांच तक के छात्रों की श्रेणी के लिए, यह ह बेहतर पृथ्वी के लिए पेड़ बचाओङ, जबकि कक्षा छः से बारह और स्नातक स्तर की श्रेणियों के लिए क्रमशः ह्पर्यावरण बचाने के लिए पानी बचाओङ और ह्कुशल प्लास्टिक एवं ई-वेस्ट प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण की रक्षाङ पर था। प्रतियोगिता में संस्थान, अन्य विद्यालयों व महाविद्यालयों के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। हम सप्ताह के दौरान ऐसे और कार्यक्रम, जैसे कि बाजार में कपड़े के थैलियों का वितरण, वृक्षारोपण और पर्यावरण प्रदूषण और इसके नियंत्रण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर एक संगोष्ठी का आयोजन करेंगे, नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने कहा ।आने वाली पीढ़ी बहुत महत्वपूर्ण है और विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को हल करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्हें चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए और इस धरती को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए, नरेंद्र मोहन, निदेशक ने कहा ।सहायक प्रोफेसर और कार्यक्रम संयोजक अनूप कुमार कनौजिया ने कहा कि हमने एक उद्देश्य के साथ पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का चयन किया क्योंकि यह सभी आयु वर्ग के छात्रों को पर्यावरण के मुद्दों के बारे में अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का उचित मौका देगी। नीलम चतुर्वेदी और सुश्री वनिष्ठा शुक्ला, शोध अध्येताओं ने प्रतियोगिता के प्रबंधन में समन्वय का कार्य किया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में पोस्टर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में आज पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तीन श्रेणियों में आयोजित किया गया, जिनमें से प्रत्येक की थीम अलग-अलग लेकिन पर्यावरण से संबंधित थी।

कक्षा पांच तक के छात्रों की श्रेणी के लिए, यह +बेहतर पृथ्वी के लिए पेड़ बचाओ+, जबकि कक्षा छः से बारह और स्नातक स्तर की श्रेणियों के लिए क्रमशः +पर्यावरण बचाने के लिए पानी बचाओ+ और +कुशल प्लास्टिक एवं ई-वेस्ट प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा+ पर था। प्रतियोगिता में संस्थान, अन्य विद्यालयों व महाविद्यालयों के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। हम सप्ताह के दौरान ऐसे और कार्यक्रम, जैसे कि बाजार में कपड़े के थैलियों का वितरण, वृक्षारोपण और पर्यावरण प्रदूषण और इसके नियंत्रण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर

एक संगोष्ठी का आयोजन करेंगे, श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने कहा।

आने वाली पीढ़ी बहुत महत्वपूर्ण है और विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को हल करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्हें चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए और इस धरती को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए, श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक ने कहा। सहायक प्रोफेसर और कार्यक्रम संयोजक श्री अनूप कुमार कनौजिया ने कहा कि हमने एक उद्देश्य के साथ पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का चयन किया क्योंकि यह सभी आयु वर्ग के छात्रों को पर्यावरण के मुद्दों के बारे में अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का उचित मौका देगी। श्रीमती नीलम चतुर्वेदी और सुश्री वनिष्ठा शुक्ला, शोध अध्येताओं ने प्रतियोगिता के प्रबंधन में समन्वय का कार्य किया।

पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन, 100 विद्यार्थियों ने लिया भाग

आज का कानपुर

कानपुर ।राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तीन श्रेणियों में आयोजित किया गया, जिनमें से प्रत्येक की थीम अलग-अलग लेकिन पर्यावरण से संबंधित थी ।कक्षा पांच तक के छात्रों की श्रेणी के लिए, यह बेहतर पृथ्वी के लिए पेड़ बचाओ, जबकि कक्षा छ: से बारह और स्नातक स्तर की श्रेणियों के लिए क्रमश: पर्यावरण बचाने के लिए पानी बचाओ और कुशल प्लास्टिक एवं ई-वेस्ट प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा पर था। प्रतियोगिता में संस्थान, अन्य विद्यालयों व महाविद्यालयों के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। हम सप्ताह के दौरान ऐसे और कार्यक्रम, जैसे कि बाजार में कपड़े के थैलियों का वितरण, वृक्षारोपण और पर्यावरण प्रदूषण और इसके नियंत्रण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर एक संगोष्ठी का आयोजन करेंगे, श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने कहा ।आने वाली पीढ़ी बहुत महत्वपूर्ण है और विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को हल करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्हें चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए और इस धरती को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए, नरेंद्र मोहन, निदेशक ने कहा ।सहायक प्रोफेसर और कार्यक्रम संयोजक अनूप कुमार कनौजिया ने कहा कि हमने एक उद्देश्य के साथ पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का चयन किया क्योंकि यह सभी आयु वर्ग के छात्रों को पर्यावरण के मुद्दों के बारे में अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का उचित मौका देगी। नीलम चतुर्वेदी और वनिष्ठा शुक्ला, शोध अध्येताओं ने प्रतियोगिता के प्रबंधन में समन्वय का कार्य किया।

निगोहां व्यापार मंडल

आज का कानपुर

निगोहां शुक्रवार को निजी गेस्ट हाउस में निगोहा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक सम्पन्न हुई ।जिसमें पदाधिकारियों का पुनर्गठन किया गया,बैठक की शुरुआत

'Human survival rests on water & trees'

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Director of National Sugar Institute (NSI) Prof Narendra Mohan while inaugurating the poster making competition as part of the Environment Week at the institute on Friday said "save trees and save water" are the two major missions of the people currently residing on this planet. He said human survival rested on water and trees but despite knowing the fact people were highly apathetic to both the issues. He said NSI apart from working in the area of its expertise feels it a bounden duty to promote both the issues from the grass-roots level. He said the competition was divided into three groups. He said for the graduates the topic was "Protecting environment through efficient plastic and e-waste management". He said it is encouraging to witness a huge gathering of children in different age groups.

Around 100 students from institute itself, other colleges and schools participated in the competition. He said the NSI will conduct more programmes like distribution of cloth bags in market, tree plantation and seminars on various issues related to environmental pollution and its control during the week. He said it was very important that the current generation had a role to play in mitigating various environmental issues. He said they should be aware of the challenges and prepare themselves making this earth a better place to live in. Programme convener Anoop Kanaujia said the NSI opted for poster making competition with a purpose that it will give a fair chance to students of all age groups to express their feelings about environmental issues. Neelam Chaturvedi and Vanistha Shukla, research fellows coordinated in managing the competition successfully.

National Sugar Institute conducted a poster making competition for students on Friday

DIRECTIVE: The regional transport authority has issued directives for all old vehicles plying on the city roads to immediately apply for HSRP for an old vehicle both four and twowheelers in Uttar Pradesh. Traffic Senior Inspector Chaunk Singh said several hundreds of vehicles without the high security registration plate had been fined in the past two days. He said special pickets had been posted within the city as well as in the outskirts. He said for four-weeler registration data can be easily available to enforcement agencies which will be helpful in traffic management. He said the HSRPs are tamper proof and come with non-removable snap-on locks due to which it was difficult to replace. He said the HSRP can help trace a vehicle in case it gets stolen. He said online booking can be easily done and one had to furnish all the details of the vehicle.

Singh said one had to enter the registered phone number name of the vehicle owner and other details.

पोस्टर दिखाते बच्चे व अन्य।

एनएसआई में पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता

कानपुर, 2 जून। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की ओर से पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तीन श्रेणियों में आयोजित किया गया। कक्षा-पांच तक के छात्रों की श्रेणी के लिए यह बेहतर प्रथ्वी के लिए पेड़ बचाओ, जबकि कक्षा-6 से 12 तक और स्नातक स्तर की श्रेणियों के लिए क्रमश पर्यावरण बचाने के लिए पानी बचाओं और कुशल प्लास्टिक एवं ई-वेस्ट प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा पर था। प्र तियोगिता में संस्थान, अन्य विद्यालयों व महाविद्यालयों के करीब 100 विद्यार्थी शामिल हुए। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि आने वाली पीढ़ी बहुत महत्वपूर्ण है और विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को हल करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्हे चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिये। इस धरती पर रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिये। इस दौरान संयोजक अनूप कनौजिया, श्रीमती नीलम चतुर्वेदी, सुश्री वनिष्ठा शुक्ला आदि मौजूद रही।

पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक देश मोर्चा
संवाददाता मनी वर्मा

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम तीन श्रेणियों में आयोजित किया गया, जिनमें से प्रत्येक की थीम अलग-अलग लेकिन पर्यावरण से संबंधित थी कक्षा पांच तक के छात्रों की श्रेणी के लिए, यह ह्लबेहतर पृथ्वी के लिए पेड़ बचाओ, जबकि कक्षा छः से बारह और स्नातक स्तर की श्रेणियों के लिए क्रमशः पर्यावरण बचाने के लिए पानी बचाओह्ल और ह्लकुशल प्लास्टिक एवं ई-वेस्ट प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा पर था प्रतियोगिता में संस्थान, अन्य विद्यालयों व महाविद्यालयों के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। हम सप्ताह के दौरान ऐसे और कार्यक्रम, जैसे कि बाजार में कपड़े के थैलियों का वितरण, वृक्षारोपण और पर्यावरण प्रदूषण और इसके नियंत्रण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर एक संगोष्ठी का आयोजन करेंगे, श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने कहा।आने वाली पीढ़ी बहुत महत्वपूर्ण है और विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को हल करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी उन्हें चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए और इस धरती को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए नरेंद्र मोहन, निदेशक ने कहा।सहायक प्रोफेसर और कार्यक्रम संयोजक अनूप कुमार कनौजिया ने कहा कि हमने एक उद्देश्य के साथ पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का चयन किया क्योंकि यह सभी आयु वर्ग के छात्रों को पर्यावरण के मुद्दों के बारे में अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का उचित मौका देगी नीलम चतुवेर्दी और वनिष्ठा शुक्ला, शोध अध्येताओं ने प्रतियोगिता के प्रबंधन में समन्वय का कार्य किया।

पोस्टर में रंगों से बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर। पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत शुक्रवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तीन श्रेणियों में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता की थीम पर्यावरण ही रखी गई।कक्षा पांच तक के छात्रों की श्रेणी के लिए, यह बेहतर पृथ्वी के लिए पेड़ बचाओ, जबकि कक्षा छ- से बारह और स्नातक स्तर की श्रेणियों के लिए क्रमशः पर्यावरण बचाने के लिए पानी बचाओ और कुशल प्लास्टिक एवं ई-वेस्ट प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा पर था। प्रतियोगिता में संस्थान, अन्य विद्यालयों व महाविद्यालयों के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। हम सप्ताह के दौरान ऐसे और कार्यक्रम, जैसे कि बाजार में कपड़े के थैलियों का वितरण, वृक्षारोपण और पर्यावरण प्रदूषण और इसके नियंत्रण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर एक संगोष्ठी का आयोजन करेंगे। शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने कहा कि आने वाली पीढ़ी बहुत महत्वपूर्ण है और विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को हल करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्हें चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए और इस धरती को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए।कार्यक्रम संयोजक अनूप कुमार कनौजिया ने कहा कि हमने एक उद्देश्य के साथ पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का चयन किया क्योंकि यह सभी आयु वर्ग के छात्रों को पर्यावरण के मुद्दों के बारे में अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का उचित मौका देगी। नीलम चतुर्वेदी और वनिष्ठा शुक्ला मौजूद थी।

पर्यावरण सप्ताह पर आयोजित हुई पोस्टर प्रतियोगिता

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में आज पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम तीन श्रेणियों में आयोजित किया गया, जिनमें प्रत्येक श्रेणी की थीम अलग-अलग परन्तु पर्यावरण से संबंधित थी ।

कक्षा पांच तक के छात्रों की श्रेणी के लिए, बेहतर पृथ्वी के लिए पेड़ बचाओ, जबकि कक्षा छ- से बारह और स्नातक स्तर की श्रेणियों के लिए क्रमशः पर्यावरण बचाने के लिए पानी बचाओ और कुशल प्लास्टिक एवं ई-वेस्ट प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा पर था । प्रतियोगिता में संस्थान, अन्य विद्यालयों व महाविद्यालयों के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने कहा कि सप्ताह के दौरान ऐसे और कार्यक्रम, जैसे बाजार में कपड़े की थैलियों का वितरण, वृक्षारोपण और पर्यावरण प्रदूषण और इसके नियंत्रण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर एक संगोष्ठी का आयोजन करेंगे।आने वाली पीढ़ी बहुत महत्वपूर्ण है और विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को हल करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्हें चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए और इस धरती को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए, । सहायक प्रोफेसर और कार्यक्रम संयोजक अनूप कुमार कनौजिया ने कहा कि हमने एक उद्देश्य के साथ पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का चयन किया क्योंकि यह सभी आयु वर्ग के छात्रों को पर्यावरण के मुद्दों के बारे में अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का उचित मौका देगी। नीलम चतुर्वेदी और वनिष्ठा शुक्ला, आदि ने प्रतियोगिता के प्रबंधन में समन्वयक का कार्य किया।

Links for Digital News

- **राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने "पर्यावरण सप्ताह" पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया।**